स्वै निर्देशित जानकारी पुस्तिका
हिन्दी HINDI

LEGISLATIVE ASSEMBLY
of BRITISH COLUMBIA

ब्रिटिश कोलंबिया के संसद भवन में आपका स्वागत है

इस पुस्तिका में ब्रिटिश कोलम्बिया की विधान सभा के साथ सम्बन्धित अलग-अलग इमारतों के ऐतिहासिक महत्त्व और इन की भवन निर्माण कला के महत्त्व के बारे में प्राथमिक जानकारी दी गई है। जानकारी इस प्रकार से प्रस्तुत की गई है कि इन इमारतों का स्वै-निर्देशित दौरा करते समय आपको सहायता मिल सके।

विधान सभा और इस के आस-पास की इमारतें लेकवैंगन लोगों के परंपरागत क्षेत्र में स्थित हैं। अब सौंग्हीज़ और ऐकुइमालट फर्स्ट नेशनज़ के नाम के साथ जाने जाते 'कोस्ट सैलिश' के इन लोगों की संस्कृति और इतिहास हज़ारों साल पुराना है।

हमें आशा है कि आप अपनी इस यात्रा का पूरा आनंद लेंगे।

पक्षियों के पिंजरे

पहली विधान सभा इमारतें, जिन को "बर्ड केजिज़" (पक्षियों के पिंजरे) कहा जाता है, का निर्माण कार्य 1859 में शुरू हुआ था और यह कार्य 1864 में पूरा हुआ। उस समय की प्रेस के द्वारा इन इमारतों को "भवन निर्माण कला की मिश्रित शैली, चीनी पगोडा, स्विस-कुटीर तथा इटालवी ग्राम्यगृह के शानदार पिंजरों" की नवीनतम बनावट कहा गया था ।

सन 1871 में ब्रिटिश कोलम्बिया के राज्य बन जाने के पश्चात यह "पक्षियों के पिंजरे" राजधानी की इमारतों के तौर पर इस्तेमाल किये जाते रहे। 1890 के दशक के शुरुआती दौर में बढ़ती हुई जन संख्या की ज़रूरतों के लिए यह इमारतें छोटी पड़ने लगीं।

सन 1892 में नयी विधान सभा इमारतों के डिज़ाइन का चयन करने के लिए भवन निर्माण कला की एक प्रतियोगिता करवाई गई। पूरे उत्तरी अमरीका में से इस मुकाबलो में हिस्सा लेने वाले व्यक्तियों ने ड्रॉयिंगों के 65 सैट जमा करवाए। इन में से 25 वर्षीय आरकीटैकट (वास्तुकार) फ्रांसिस मोसन रैटनबरी की ड्रॉयिंगों को चुन लिया गया। यह प्रोजैक्ट रैटनबरी की पहली बड़ी प्राप्ति थी और इस के सफलता सहित पूर्ण होने के बाद उन्होनें ब्रिटिश कोलम्बिया में कई अन्य महत्वपूर्ण इमारतों के डिज़ाइन भी तैयार किये।

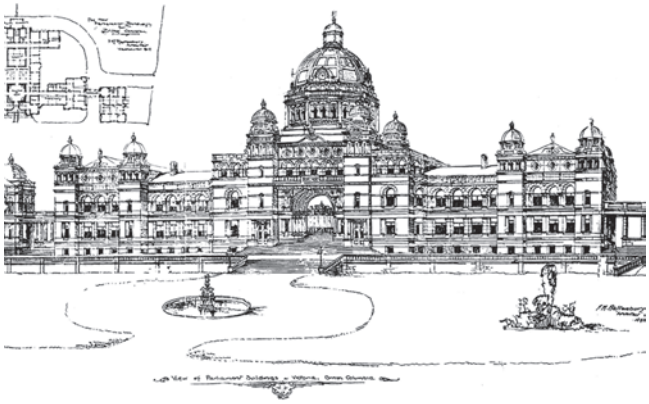

ACCEPTED COMPETITIVE DESIGN FOR PROPOSED NEW GOVERNMENT BUILDINGS AT VICTORIA, B.C.

सांसदीय इमारत का डिज़ाइन

नयी सांसदीय इमारतों का निर्माण कार्य 1893 में शुरू हुआ और इसे 1897 के अंत तक पूरा किया गया। सांसदीय इमारतों का आधिकारिक उद्घाटन 10 फरवरी 1898 को किया गया था। सन 1913 से ले कर 1920 के दौरान इन इमारतों में कई अन्य वृद्धियाँ की गयीं। उस समय इन सभी इमारतों के निर्माण पर 2 मिलियन डालर से कुछ अधिक ख़र्च हुआ था।

सांसदीय इमारतों की शैली को "आबद्ध पुरातन" और उत्तम, पुनर जागरण काल और रूमानी बनावट वाली कहा जाता है। रैटनबरी ने इन इमारतें को इस ढंग से डिज़ाइन किया जिससे, जहाँ भी संभव हो सके, इस सूबे की अनिर्मित सामग्रियों को दर्शाया जा सके। इमारतों की बाहरी दीवारों पर हैडगटन दीप (आइलैंड) की मटमैली मिट्टी का प्रयोग किया गया, नेल्सन दीप का ग्रेनायट इन की नींवों और सामने की सीढ़ियों के लिए इस्तेमाल किया गया, अब ऑक्सीक्रित हो चुके तांबे के गुंबद, अंदरूनी कमरों में लगे हारडवुड पैनल आदि ब्रिटिश कोलम्बिया के असंख्य कुदरती स्रोतों की प्रदर्शनी करते हैं। शुरू में जरविस नाम की छोटी नदी में से निकाली स्लेट का प्रयोग छत पर टाईलों के रूप में किया गया था, परन्तु बाद में हुए मरम्मत कार्य के समय इन टाईलों की जगह पिट्सबर्ग स्लेट का इस्तेमाल किया गया।

पहले 70 साल तक कोई नियमित सुधार न होने के कारण संसद की इन इमारतों में काफ़ी पतन आ गया था। छत के रिसाव, नींव में लगीं लकड़ियाँ गलने तथा बिजली की प्रणाली पुरानी हो जाने के कारण इस इमारत पर समय का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देने लगा था। सन 1972 में सरकार ने इमारत के विस्तृत नवीनीकरण तथा मरम्मत के लिए $80 मिलियन ख़र्च करने का प्रण किया।

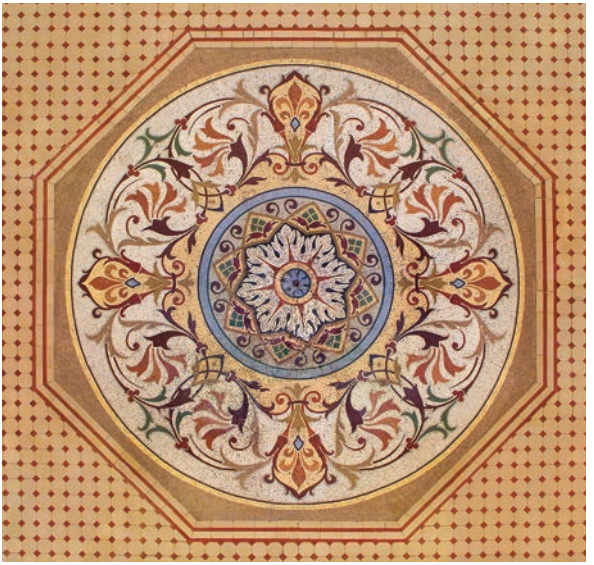

निचली गोलाकार इमारत (रोटुंडा)

यहाँ बने कमरों के बिल्कुल बीच, फर्श पर हाथों से बिछवाई इटैलियन पच्चीकारी है। इस पच्चीकारी के ऊपर एक "सचवीटीटौस्टल" है जो कि समुद्री किनारे से दूर, नदी में चलाई जाने वाली छोटी किश्ती है। यह किश्ती ब्रिटिश कोलम्बिया के 28वें लैफ्टिनैंट गवर्नर, माननीय स्टीवन पुआइंट और 'कवागुलथ' के पुशतैनी प्रमुख और उस्ताद संग-तराश, चीफ़ टोनी हंट की तरफ से तराशी गई थी। "सचवीटीटौस्टल" का मतलब है "नदी पार करने के लिए एक सुरक्षित जगह" और यह लोगों के बीच पुल के सिद्धांत को दिखाती है।

ऊपर की ओर देखते हुए गुंबद की ऊँचाई 30.5 मीटर (100 फुट) तक फैलती दिखाई देती है। रैटनबरी ने पुनर जागरण काल (रैनेसें) के डिज़ाइन वाले आठ कोने गुंबद का चयन किया था जो इस इमारत को नव-पुरातन गुंबदों वाली अमरीकन राज्यों तथा केंद्रीय राजधानियों की कई गोलाकार इमारतों की अपेक्षा अलग पहचान प्रदान करता है। गुंबद के सिरे पर कैप्टन जॉर्ज वैनकूवर का दो मीटर ऊँचा बुत लगाया गया है। यह बुत तांबे को पीट कर बनाया गया है और इस के ऊपर 14 कैरेट सोने का मुलम्मा किया गया है।

ब्रिटिश कोलम्बिया कुल-चिन्ह (कोट ऑफ आरमज़)

ब्रिटिश कोलम्बिया का कुल-चिन्ह 1987 में अपनाया गया था। इस चिन्ह में हमारे बर्तानवी शासन काल की विरासत और सूबे की कुदरती शान के तत्व शामिल हैं। ताज पहन कर ताज पर खडा शेर, माननीय महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की शाही कलगी का प्रतीक है। ढाल पर बनीं नीले रंग की धारियाँ प्रशांत महासागर की और सफ़ेद धारियाँ बर्फ़ के साथ ढँकी चट्टानी पहाड़ियों की प्रतीक हैं। छिप रहा सूरज दर्शाता है कि बी.सी. कनाडा के बिल्कुल पश्चिमी सिरे पर स्थित सूबा है। बायीं ओर बना जंगली बारांसिंगा वैनकूवर द्वीप (आइलैंड) की कालोनी का प्रतीक है। दाहिने तरफ़ बनी बड़े सींगों वाली पहाड़ी भेड ब्रिटिश कोलम्बिया की पुरानी मेनलैंड कालोनी की प्रतीक है। सब से नीचे आदर्श वाक्य (सलोगन) लातीनी भाषा में लिखा गया है -'Splendor sine occasu', जिस का अर्थ है: 'कभी न कम होने वाली सुंदरता' या 'असंख्य सुंदरता'। शेर की गर्दन और इस कुल-चिन्ह के नीचे डौगवुड्ड फूलों का हार बनाया गया है। यह 1956 से ब्रिटिश कोलम्बिया का प्रांतीय फूल है।

हॉल ऑफ ऑनर

आज हॉल ऑफ ऑनर विशेष सम्मेलनों तथा स्वागत समारोहों के लिए इस्तेमाल किया जाता है परंतु 40 साल पहले इस का इस्तेमाल भूमि एवं वन के भूतपूर्व विभाग के कार्यालय के तौर पर किया जाता था। उस समय इस जगह को छोटे छोटे घनाकार (चौरस) कमरों में बाँटा हुआ था और फर्श पर लाल रंग की लिनोलियम लगाई होती थी। नवीनीकरण के दौरान इस कमरे की छत का भीतर वाला भाग सामने आया और इस की फ़्रांसीसी पुनर जागरण काल वाली मूल बनावट को पुन: बनाया गया। जब लिनोलियम को हटाया गया तब उसके नीचे स्थानीय डगलस फ़र वाली लकड़ी से बना असली फर्श (पारके) पुन: निर्माण करने वाले कारीगरों ने सामने आया।

रंगीन काँच (शीशे)

महारानी एलिजाबेथ-द्वितीय की गोल्डन जुबली खिड़की

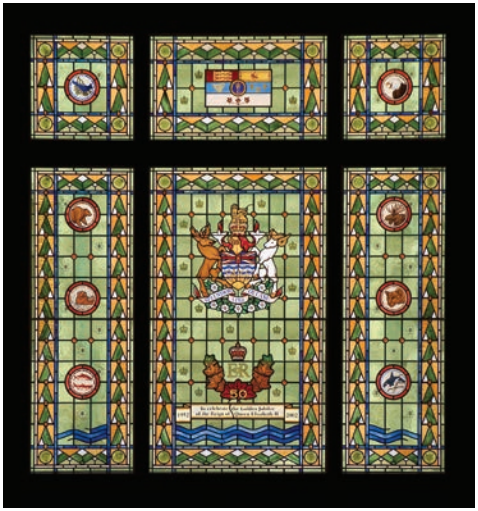

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को उन की गोल्डन जुबली के अवसर पर साल 2002 में ब्रिटिश कोलम्बिया की सरकार ने गोल्डन जुबली खिड़की उपहार के रूप में दी थी। इस को विक्टोरिया के दो कलाकारों, एडवर्ड शेफर तथा थॉमस मरसर द्वारा तैयार किया गया था। इस के सर्वोच्च भाग में आपको महारानी का कैनेडियन शाही झंडा दिखाई देगा। यह महारानी का निजी शाही झंडा है और इसे तभी फहराया जाता है जब माननीय महारानी कनाडा में होती हैं। आपको बी.सी. के कई अन्य प्रतीकात्मक चिन्ह भी दिखाई देंगे, जिनमें हमारा प्रांतीय पक्षी स्टेलर जे (कौआ जैसा चमकदार पंखों वाला पक्षी), हमारी प्रांतीय मछली - पैसिफिक सैमन तथा नीचे की ओर हरे रंग के निशानों से दर्शाया गया हमारा प्रांतीय रत्न, जेड (हरे रंग का कीमती पत्थर) शामिल है।

महारानी विक्टोरिया की डायमंड जुबली को समर्पित खिड़की

सन 1897 में महारानी विक्टोरिया के शासन के 60वें साल में उन की डायमंड जुबली मनाने के लिए डायमंड जुबली खिड़की की स्थापना हुई थी। इस के बांये तरफ महारानी विक्टोरिया के 18 वर्ष की आयु में हुए राज्याभिषेक की तारीख़ (1837) लिखी है और दाहिने तरफ उन की डायमंड जुबली की तारीख़ (1897) लिखी गई है। इस पर अंग्रेज़ी के अक्षर "V" और "R" लिखे गए हैं जो लातीनी भाषा के शब्द "विक्टोरिया रिजाईना" या 'महारानी विक्टोरिया' के प्रतीक हैं।

यह डायमंड जुबली खिड़की पहले दूसरी मंजिल पर वैधानिक चेंबर के पीछे लगी होती थी। सन 1912 में नया वैधानिक पुस्तकालय बनाए जाने के बाद इसे एक तहख़ाने में संभाल कर रख दिया गया था, जहाँ यह अगले 62 वर्ष तक पड़ी रही और 1974 में नवीनीकरण कार्य के मौके यह मिली।

इस खिड़की के सबसे ऊपर की ओर आप ब्रिटिश कोलम्बिया के असली कुल-चिन्ह (कोट ऑफ आर्म्स) देख सकते हैं । सरकार ने इस कुल-चिन्ह को ऑर्डर-इन-काउन्सिल द्वारा सन 1895 में अपनाया था। इस में भी बहुत से वही प्रतीक शामिल हैं जो आज इस्तेमाल होते हैं, भले ही बर्तानवी अधिकारी इस डिज़ाइन को स्वीकार नहीं कर सके थे। यह समझा गया कि बर्तानवी झंडे को ढाल पर छिप रहे सूरज के प्रतीक जैसी हलकी समझी जाने वाली जगह पर लगाना उचित नहीं क्योंकि यह उस समय की प्रसिद्ध लोकोक्ति के साथ मेल नहीं खाता था कि 'बर्तानवी शासन में कभी सूरज अस्त नहीं होता'। असली चिन्ह में बनाऐ गए फूल इंग्लैंड के प्रतीक थे: जामुनी फूलों वाला जंगली पौधा स्कॉटलैंड का, हरे रंग का तीन पत्तों वाला पौधा आइरलैंड का, गुलाबी रंग का ट्यूडर गुलाब इंग्लैंड का और पीले रंग वाला डैफोडिल फूल वेलज़ का प्रतीक था।

सीढ़ियों की खिड़कियाँ

जैसे ही आप यादगारी गोलाकार इमारत की सीढ़ियाँ चढ़ते हैं तो आपको रंगीन काँच की खिड़कियों पर 17वीं और 18वीं सदी के इंग्लैंड के लेखकों और चिंतकों की प्रसिद्ध छोटी लिखतें दिखाई देंगी, जो कि चेंबर की तरफ आने वाले विधायकों तथा दर्शकों को प्रेरणा देती हैं।

यादगारी गोलाकार इमारत

इस इमारत का नाम यादगारी रोटुंडा इस लिए पड़ा क्योंकि यहाँ युद्ध से जुड़े कई याद चिन्ह हैं जो ब्रिटिश कोलम्बिया के उन लोगों को समर्पित हैं जिन्होंने कनाडा के लिए अपनी जान कुर्बान की है। यादगारी पुस्तकों में ब्रिटिश कोलम्बिया के कई जनसेवकों के नाम लिखे गए हैं जिन्होंने सैनिक के तौर पर सेवा निभाई तथा पहले और दूसरे विश्व युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए।

इस यादगारी इमारत के ठीक बीच एक खुला घेरा है जिस के आस पास टेनेसी पत्थर लगाया गया है। दीवारों में दो रंग के टेनेसी पत्थर की परतें बनाईं गई हैं और इन को 23 कैरेट सोनो के पत्रों के साथ जड़ा गया है। ऐसा नवीनीकरण के समय किया गया था। टेंरैज़ो फर्श इटली से मंगवाए गए पत्थर और ग्रेनायट के छोटे-छोटे टुकड़ों के साथ बनाया गया है।

इस यादगारी इमारत के गुंबद को चार चित्र कलाएँ अलंकृत करती हैं। यह चित्र कलाएँ प्राथमिक ब्रिटिश कोलंबिया के चार मुख्य आर्थिक उद्योगों को दर्शाती हैं: वन उद्योग, मछली पकड़ना, कृषि और खान-संबंधी उद्योग। सन 1935 में इन को कैनवस पर जौर्ज एच. साऊथवैल्ल ने तैयार किया था और 1952 में इन को यहाँ लगाया गया था।

रस्मी प्रवेश द्वार

रस्मी प्रवेश द्वार यादगारी गोलाकार इमारत के अंदर जाने का रास्ता है जो सीधा चेंबर की तरफ ले जाता है - जो सचमुच और प्रतीकात्मक रूप से इन सभी इमारतों का केंद्र है। इस का प्रयोग केवल बहुत ख़ास मौकों पर ही किया जाता है, जिन में वह मौका भी शामिल है जब फरवरी महीने में विधान सभा का सैशन शुरू होने पर लैफ्टिनैंट गवर्नर इसी द्वार में से गुज़र कर सैशन आरंभ करते हैं। माननीय महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय इस दरवाज़े से पिछली बार मार्च 1983 में गुज़रीं थीं।

दिसंबर 2, 1998 को एक नयी मिसाल कायम हुई थी जब निसगा'अ फायनल एग्रीमेंट एक्ट के मामले में बहस के लिए विधान सभा को संबोधित करने के लिए चीफ़ जोज़फ़ गौसनैल को इस रस्मी प्रवेश द्वार से संसद में विधायकों के लिए सीमाबद्ध जगह के द्वारा अंदर लाया गया था। उनके बाद अनेक फर्स्ट नेशनज़ चीफ़ संधि समझौतों को पूरा करने के लिए इसी दरवाज़े से भीतर आए हैं।

वैधानिक कक्ष

कक्ष को 12x18 मीटर (40x60 फुट) में फैले क्षेत्र में स्थापित किया गया है, अंदर भूरे इटैलियन पत्थर के पैनल लगाए गए हैं तथा हरे, सफ़ेद और जामुनी रंग के 22 खंबों के साथ इस को सजाया गया है। छत पर स्वर्ण पत्तों से सजावट की गयी है तथा छत में चार गुंबदाकार स्काइलाईटें हैं जिन में रंगीन शीशा जड़ा हुआ है। यहाँ लगे बड़े आकार के लोहो के घड़े हुए लैम्प 1898 में इस कक्ष में लगे लैम्पों के प्रतिरूप (नकल) ही हैं।

कक्ष के अंदर, विधान सभा के चुने हुए मैंबर (ऐम्म.ऐल्ल.ए.) सरकार के विधायकों या विरोधी पक्ष के विधायकों के तौर पर सेवा निभाते हैं। सरकार के ऐम्म.ऐल्ल.ए. उस राजनैतिक पार्टी के मैंबर होते हैं जो पार्टी आम मतदान में सब से अधिक सीटें जीतती है। दूसरे नंबर पर सब से अधिक सीटें जीतने वाली राजनैतिक पार्टी अधिकारिक विपक्ष दल बन जाती है। अन्य राजनैतिक पार्टियों के साथ सम्बन्धित तथा आज़ाद ऐम्म.ऐल्ल.ए. भी विपक्ष दल का हिस्सा होते हैं। सरकार के कार्यों के बारे में सवाल उठाना तथा मौजूदा नीतियों के बदल पेश करना विपक्ष दल के विधायकों का काम होता है।

जब विधान सभा का सैशन चल रहा होता है, तब ऐम्म.ऐल्ल.ए. कक्ष - जिस को कि हाऊस भी कहा जाता है - के अंदर प्रस्तावित नियमों (जिन्हें बिल कहा जाता है) का अध्ययन, उन पर बहस और वोटिंग करने के लिए ज़िम्मेदार होते हैं। इस के अतिरिक्त सरकार की बजट सम्बन्धित पेशकशों (जिन को अनुमान कहा जाता है) की जाँच-पड़ताल करते हैं और उन को मंज़ूरी देते हैं और सरकार की योजनाओं तथा कार्यों के बारे में सवाल पूछते हैं।

ऐम्म.ऐल्ल.ए. एक और महत्वपूर्ण ढंग से अपने क्षेत्र के लोगों को सेवा प्रदान करते हैं। वह अपने क्षेत्र के लोगों के स्थानीय मुद्दों को सदन में पेश करते हैं। ऐम्म.ऐल्ल.ए. जनता और सरकार के बीच एक अहम कड़ी के तौर पर काम करते हैं, तथा सरकारी प्रोग्रामों और एजेंसियों तक पहुँच करने में अपने-अपने क्षेत्र के लोगों की मदद करते हैं।

सदस्यों के डैस्क

पूरा चेंबर या हाऊस दोनों दिशायों में डेस्क की कतारों में बँटा गया है। परंपरागत रूप से सरकारी पक्ष स्पीकर के दाहिने ओर बैठता है और विरोधी पक्ष स्पीकर के बांये ओर बैठता है। सन 1872 में बी.सी. की पहली विधान सभा या संसद में 25 एम.एल.ए. थे। आज बी.सी. भर से चुने 87 एम.एल.ए. विधान सभा में सेवा निभाते हैं।

स्पीकर (अध्यक्ष) की कुर्सी
SPEAKER'S CHAIR

चेंबर के बिल्कुल पीछे स्पीकर की कुर्सी है। स्पीकर एक ऐम्म.ऐल्ल.ए. होता है जो बहस-मुबाहिसा की कार्यवाही की अध्यक्षता के लिए चुना जाता है और वह सदन या हाऊस की कार्यवाही को चलाने के समय सदन में व्यवहार और कार्यवाही के स्थापित नियमों की पालना यकीनी बनाता है। स्पीकर के चयन में सभी ऐम्म.ऐल्ल.ए. गुप्त वोटिंग करते हैं। एक बार चुने जाने के बाद स्पीकर के लिए ज़रूरी होता है कि वह बिना भेदभाव के काम करे और वह यह यकीनी बनाने के लिए ज़िम्मेदार होता है कि सभी विधायकों के साथ उचित तथा बिना पक्षपात व्यवहार हो, चाहे वे किसी भी पार्टी के साथ सम्बन्ध रखते हों।

क्लर्कों के टेबल

स्पीकर की कुर्सी के सामने क्लर्कों का टेबल होता है। हाऊस या सदन का क्लर्क और उस के सहयोगी क्लर्क यहाँ बैठते हैं और सांसदीय कार्यवाही के दौरान स्पीकर और विधायकों को सलाह देने के लिए तैयार रहते हैं।

पब्लिक गैलरी

इस सदन की तीसरी मंजिल पर पब्लिक गैलरियाँ वे सीटें हैं जिन से पूरा कक्ष दिखता है और सैशन के दौरान ये जनता के लिए खुली होती हैं।

प्रैस गैलरी

स्पीकर की कुर्सी के बिल्कुल ऊपर की गैलरी की पहली कतार प्रैस के उन लोगों के लिए आरक्षित होती है जिन्होनें विधान सभा की कार्यवाही और राज्य सरकार के साथ सम्बन्धित समाचार पेश करने होते हैं।

शाही छड़ी

सदियों पहले, शाही महलों में उच्च पदवी पर बैठे अधिकारी के पास एक शाही छड़ी होती थी जो उस की आत्म रक्षा के लिए भी होती थी और उस की पदवी का प्रतीक भी होती थी। इस पर शाही राज चिन्ह भी बना होता था जिससे अनपढ़ भी इस को समझ सकते थे आधुनिक समय में यह छड़ी सिर्फ़ सदन और स्पीकर की सत्ता का प्रतीक है और इस का विधान सभा में काम-काज चलते समय क्लर्कों के टेबल पर मौजूद होना अनिवार्य है। इस का वहाँ होना इस बात का प्रतीक है कि हाऊस या सदन महारानी की पूरी जानकारी और आज्ञा के अनुसार चल रहा है।

LEGISLATIVE ASSEMBLY
of BRITISH COLUMBIA

इस के साथ ही सांसदीय इमारत का आपका
दौरा पूरा हो रहा है। आज यहाँ आने के लिए आपका
बहुत धन्यवाद।
हमें उम्मीद है कि सांसदीय इमारतों के अपने दौरे
का आप ने आनंद लिया होगा।
यदि आप अधिक जानकारी प्राप्त करना
चाहते हैं तो कृपया
http/: www. leg. bc. ca
वैबसाईट पर जाएँ।

LEGISLATIVE ASSEMBLY
of BRITISH COLUMBIA

ब्रिटिश कोलम्बिया की विधान सभा

विधान सभा सम्बन्धित शिक्षा का दफ़्तर

Parliament Buildings, Victoria, BC V8V 1X4

टेलीफ़ोन: 250-387-3046

इमारत से बाहर जाते समय कृपया सांसदीय गिफ्ट शॉप में जाएँ।

11/2018